

## इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

पत्रांक : 113 / प्र०७०—भवन / जोग-१ / 2013-14 दिनांक २७/११/2014

### अनुमति-पत्र

यह अनुमति ३०८० नंगर नियोजन द्वारा चेलरा अधिनियम १९७३ की धारा १५ व १६ के अन्तर्गत दी जाती है, किन्तु अर्थ यह है कि उस भूमि के राष्ट्रस्थ में जिस पर व्यवसायिक (शौ-रुग) नानचित्र स्वीकृत किया जा रहा है, इससे कोई प्रकार या उसी पर स्थानीय निलाय या इसका स्थानीय आधिकारी या व्यक्ति अथवा एक के सालिकान अधिकारी पर कोई कानूनी अरार पड़े। अर्थात् यह अनुमति किसी के वित्तिकरण या राशित के अधिकारी के विरुद्ध कोई प्रगाह न रखेगी।

श्री राजेश कुमार कुशवाहा पुरुष श्री हरिदिलास कुशवाहा द्वारा आराजी संख्या -1154 (पट्टी) उमरपुर नीवा उपरहार नीवा इलाहाबाद जेन संखा (1) के अन्तर्गत दखिल ४८८ पितृ व्यवसायिक (शौ-रुग) नानचित्र की राईकृति/निर्भीमा उपच्छद गहोदा के अनुमोदन देश दिनांक १५.१०.२०१४ के द्वारा निर्माणिका प्रतिक्रिया के अधीन प्रदान की जाती है :-

१. ३०८० नंगर नियोजन एवं विकास अधिनियम १९७३ की धारा १५५ (१) के जावेदानों के अनुरूप यूर्णी उपयोग पठ प्राप्त होने के पश्चात ही उपयोग/अधिनोग किया जायेगा, अबना निर्भीमा एवं दिलास उपरिवेदी २००८ ने उपचिति संख्या २.१.३ एवं ३.१.६ में निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर यूर्णी प्रगाह-पठ प्राप्त करना अवश्यक है।
२. यह राईकृति अनन्तिम (Provisional) राईकृति के रूप में होगी। निर्माण यूर्ण होने के उपरन्तु, उभी अन्तर्गत Mandatory Clearances/N.O.C की शर्तें पूर्ण करने के पश्चात् निर्गत केवे जाने वाले 'यूर्णी प्रगाह-पठ' प्राप्त करने के बाद ही इस परिवार को इस्तीविक उपर्योग में लाया जा सकेगा।
३. रथल गर ४X३ फिट का एक बोर्ड लाइफर प्रधिकरण द्वारा स्थीकृत सम्बद्धी विवरण अंदिनी करना अनिवार्य शैला जिसागे आर्किटेक्चर/इन्जीनियर के उमे का नाम भी दिया जाए।
४. रथल गर ०४ अंतर बुझ लगाना होगा। तथा यूक्त को हसा-भसा रखने का दायित्व आवेदिका का होना।
५. स्थल का अधिनोग/उपयोग इतीहृत प्रस्तावना के अंत सार ही करना होगा। जिसमें स्लिल्ट पर प्रलिंग, प्रथग लल पर मुविदा-जनक ढुकाने, द्वितीय लल एवं हूतीय लल वर शौ-रुग का निर्गाण अनुमत्य किया गया है।
६. देनत टर हार्टरेस्टंग १५०ली नंगर के अनुसार पूर्ण कराटे हुए भू-गाँ याल विभ.व से अनुरूप ग्राहा करना अनिवार्य होगा। तत्पश्चात् ही उन एक०८०आर० अवमुक्त किए जायेगा।
७. गुरुव्य अग्नि शमन अधिकारी इलाहाबाद की अनापति पत्रांक : 2014/4252/ALD/ALLAHABAD/36/CFO दिनांक ३०.१०.२०१४ (शायाप्रति रालग्न) में अंकित प्रातिक्रिया का प्राप्त करना होगा।
८. माननोग न्यायालय में पहें दाद होने अथवा उत्पन्न होने की रिपोर्ट में प्रदत्त राईकृति सान्तीय न्यायालय के निर्णय के अनुरूप होगी। यह राईकृति गू-स्वामित्व का अधिकार प्रदान नहीं करती है भू-राजिक्य सम्बद्धी कोई गी विवाद सक्षग न्यायालय/प्राधिकारी द्वारा ही निर्दा रित किया जा सकता है।

Continued

